

311 →
Nagarjuna-
pāṭa

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

2705 I

311 →
Nagarjuna-
pāṭha

विष्णुसहस्रनामविधिः ॥

२७८

दिगयतायसह ॥

ॐ नमः श्रीविक्रमसुखाय ॥
निब्रह्ममविधिमाह ॥ ॥
वाकलन-विजयकनन-
रुता-महाका-सुगान-
गवदा-कृष्णकं-सिद्धम-
गीलक्रीरुतवा-तागय-यक-
यकृती-महावलि-वीर-
वधवा-सिद्ध-माहती-मक-
मकृ-वकष-हा-स्यसि-
सिमकसा-वीहि-जागम-
यकृ-सिद्धायुखाय-कृष्ण-
का-पि-सुतयि-ध-मू-
वलि-धकि-रुयनयाय ॥
सुयो-युवपादा-युवम-
धुत-सिद्धयुजा-नदस्य-
दयु-रुय-कननया- ॥
रुगवा-नगीमकृणी-धूय ॥
ध्यात ॥ कलन-सु-विहाय-
नका-वीका-वतकलन-आक-
धय-कु-धमा-दय-कृ-का-

यद्यसर्वकथागकवाधिविधि-
मकः-सु-कलन-विहाय-
॥ अटि-वि-का-वय-वित-
नाना-वत-मय-कलन-माका-
वडी-कु-धमा-दया-न-व-
विहाय-। नद-सु-विहाय-
विहाय-विहाय-म-सु-द-व-
विहाय-सु-द-वि-म-य-
कृष्ण-सु-त-सु-मा-नी-य-
ना-द-का-या-या-व-मा-दि-
कृ-ला-द-या-। न-स-म-य-
य-व-म-हा-वा-न-उ-वी-
य-वा-वि-वि-न-पा-म-नी-
वित-य-। वि-स-म-य-
द-व-का-सु-त-द-व-का-य-
का-वित-य-॥ ॐ आः ॥
न-का-अ-त-॥ ॐ क-ल-
म-धु-ल-व-के-वि-हाय-
व-उ-य-सु-त-स-ह ॥
स-म-क-न-का-वा-वि-
स-न ॥

ॐ वज्रमहादक ००० स्वाहा ॥
 ॐ नमः १ महादक स्वाहा ॥ श्री
 कः पूजा ॥ ॐ सर्वकथागत
 महायागीध्वज ॥ ॐ वज्र
 यरुही ॥ नमः वज्रसत्
 य वज्रदायक नमः नमः
 रुद्रकर्मय वज्रधर्मन
 मानमः ॥ ॥ धनलि
 नाय महाका ग्यग सग्य
 मरु पूजा ॥ नमः ॥ वलि ॥
 ॐ नमः समस्तकायवाक्त्रि
 धनमादेष्टै वज्रकाधाय
 महादशकटहलवाय नमः
 निमूषवयवसुपावगटहीन
 हलाय ॥ ॐ नमः वज्रपुत्री
 रवशखादिशक्तिवश्वश
 ददशयवशगऊशविष्ठाट
 यशसर्वविद्यविनायकातां
 महागोपयकि पूजिकाय ह

रुद्र ३ स्वाहा ॥ नामधयूजा ॥
 ॐ नमः वज्रनागमा ॥ ॐ वः
 नीक स्वाहा ॥ यक्षिणा ॥ ॐ
 ववृषाय ॥ ॐ नमः काय ॥
 ॐ नमः काय ॥ ॐ वासुकय
 ॥ महायमाय ॥ ॐ नमः रा
 लाय ॥ ॐ ककटकाय ॥
 ॐ कवीकाय ॥ ॐ नमः ॥
 जलाप्रियतिनागवाकाध
 स्वस्वदिव्यविक्रिना ॥ स्वा
 धायसदानिधि ववृषादिन
 मस्तु ॥ ॥ श्रीलक्ष्मीपूजा ॥
 ॐ श्रीलक्ष्मी स्वामिनी कृष्णा
 हा ॥ ॐ श्रीः स्वाहा ॥ ॐ वसु
 लक्ष्मीये स्वाहा ॥ ॐ नमः ॥
 नमः रुद्रमहादवी सर्वस
 लार्थदायिनी ॥ नमः मुनीय
 वृषीय वसुलक्ष्मी नमस्तु
 ॥ ॥ नमः वज्रपुत्री ॥

ॐ यरु यरु विद्यामर्चयमीक
खाहा ॥ वीर्यनाम ॥ ॐ सर्व
यरुदीक्षातमः ॥ ॐ स
र्वयरुक्षातमः ॥ ॐ य
रुदुदाय ॥ ॐ मातिरुदाय
॥ ॐ धनदाय ॥ ॐ सुखदा
य ॥ ॐ वरदाय ॥ ॐ ॥
मुक्ति ॥ ॐ रुदमातिरुद
धनदेवगवतस्तथा ॥ विलि
कमुलीकलिमात्री ॥ सुखद
वददायतममुक्त ॥ धन
देवदुजा ॥ धनलियवध
नायुजा ॥ ॐ ॐ सर्वदुष्टज
किनी ॥ ॐ जाकीतिय ॥
ॐ ला ॥ ॐ ख ॥ ॐ वू ॥
ॐ ॐ मुक्ति ॥ ॐ किनीयकथा
गमाखमुनादावुवपीनि ॥
न्यसस्तुतीदिसस्तुती ॥ यि

दतीतममुक्त ॥ ॥ धनिय
नदाव ॥ यरुदीक्षा ॥ यथ
माद्रुकि ॥ मधुलक्ष्मनाद्रुकि
धनियनदाव ॥ दवदुजा
धन ॥ म ॥ गा ॥ स ॥ जाय ॥
आकर्षण ॥ स्वातवाय ॥ ॐ
कि ॥ अरुमाद्रुकायुजा ॥
यसमावतवलिविय ॥ सग्व
तविय ॥ ॐ कि ॥ अरुकि ॥
वियदवयात ॥ वावसनी
वृत्तिर्क ॥ धनिदिक्का ॥
दयामुवदावक्त ॥ मलागस
तिवधन ॥ ॐ ला ॥ नगवा
सवा ॥ गववा ॥ दि ॥ ऊऊमा
ननरुयकीत ॥ धनदवता
द्रुकिविय ॥ दयदुगा ॥ यमा
यदुकाय ॥ माधवय ॥ धन
वावसनिव ॥ ऊऊमान

निल नल य लखि नथ सदा कि भवत दवउ सय ह म भु प ड भ
 वलिन पिमा व देका य ऊ ज मान द न की न य पू जो २

कन के नसाव के ह । न
 म ना स स रु ल स धा
 वा था का वि न कि नि स
 थ स ह ॥ स्व सि वा क न
 गु नू का य स्व सि क ग न
 इ पा पि पा का य ॥ दि ग व
 लि क व क वा व लि महा
 व ती वि य ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॥
 ध नि गि ल सा ध न या य ॥
 ॐ आ ० ख धु यो ह ई रु र ॥
 स ख ल स न हा य ॥ ॐ स व
 पा पि वि षा ध न स्वा हा ॥ प
 व व ल इ थ न ॥ प स मा व
 न ग म थ व क न थि य ॥ ॐ
 गु ल म व क गु ल स व ॥ ॐ न
 का क नू धा रु व । दि ल्या इ न
 कि रु ड न स र या व नी म वा
 पू य य ॥ ॐ स र

निल नल

व लु ह स व ध मा स्व रु व गु
 हा ह । स व ने वा ला न रा व
 य न ॥ ग कि द न ॥ ॐ यी री
 ले री री जान स फ धा गु स म
 ल्य ने गु हा ला न रा व य न
 ॥ ॐ आ ० ई ॥ अ धि क न ॥
 क द न न वा क न ॥ म मा स
 क ल ग ल स न हा य ॥ यी वा
 म न ॥ म न्ना हा न ॥ यी व व
 ल न य व ॥ यी ग म न न व
 ध न य ॥ अ प हा व यू जा या
 य ॥ व न सि न व दि धि क ॥
 व क क य क न व स ॥ अ इ
 वा व न न स क ॥ क मा वि का
 न यि न ॥ ध न आ वा य स न
 स्वा न वा य ॥ यी वा प हा व
 यू जा ॥ न य व ॥ जा प स्वा
 न य ध मा य कि हा ॥

व लु प ना य न का ह ५

धनिगुबूसन । दवगाहिम
 खन गुवायदमीरु रुयाक
 ॥ स्वकिवाकन चववबुध
 मी । दानयकऊऊमातस्य
 आयुवावाग्यकामार्थम्
 काकनिखिलसियाक कामा
 र्थं पूर्वसंकल्पित निवारु
 कियरूपकानिमित्ताथेन
 वीमनश्च ~~विमनश्च~~ पश्चि
 माहिमुखनवदेग्नीवेशुः
 वीदवोरुद्वारकस्यपीलाक
 किंगृह २ हेरुद्वाराहा ॥
 निवलाहा ७ दाय ॥ य ४
 पूजा ॥ कथेत ॥ धनमासा
 रुति ॥ वा यवाभननव
 सवय वा अभिषेकन ॥ ध
 वीयविधवाकाय ॥ पुनः
 अग्निहावना ॥ ककादवका
 यामुख दूकावधगुक्रव

ऊयवरुवयमानं विरुवा ॥ ॥
 धमात्माद्रुक्रियाय गीत का
 वयि ॥ नूगववा सर्वाइय ॥
 हा चषूति स्वाकसाइय ॥
 सिक्साद्वय ॥ धनविधुना
 यउस पाऊ यवाकुगनया
 व अरुयकमनकदा मल्लभा
 वाघा अरुदायके अरुकि
 हायक ॥ य ४ ला ४ सुकि ॥
 कथेदा ॥ ॥ ध ४ वमधुन
 सिषानवाऊन मनास
 सिषाद्रुकि ॥ ध ४ पुष्पाकाधि
 यके काययकेइय ॥ ॥
 धनवरुमहावाकायाकविय ॥
 दनद्रुकिविय ॥ पुष्पाद्रुकिवि
 य ॥ मूववलिविय ॥ गुनूप
 जा । खानकनक ॥ डिबसा
 दगुविसमय । रुमायन ॥
 धनवरुवृहा पूजायाय ॥

2705 I

स्वाहा ॥ १ ॥ यद्गच्छति
द्विविधवत्युक्तसिद्धिना
स्नासदानुरुत्तथागवाह
कः समाधिना कृतसमाप्त
विश्वरूपकायमनाद्य
मार्गदतिना कस्मादिदं
प्रत्यक्षप्रयुगीनमकृतस
त्वनं ह्यहं ह्यस्मि ॥ य
द्वत्तमद्युक्तसिद्धिना यस्म
यमद्युक्तसिद्धिना यस्म
मद्युक्तसिद्धिना यस्म
मद्युक्तसिद्धिना यस्म
यस्म नलुत्तमस्यमद्युक्त
वसन्ति सर्वद्वानां वरु
कुत्तमार्थं कः दिनास
सिद्धिर्लक्ष्मीर्लक्ष्मी
धर्मा कर्तव्यं ह्यद्वितीयं
वसन्ति सर्वद्वानां वरु
कुत्तमार्थं कः दिनास
सिद्धिर्लक्ष्मीर्लक्ष्मी
धर्मा कर्तव्यं ह्यद्वितीयं
॥ १ ॥ यदि कुरुद्वानां
यद्गच्छति द्विविधवत्युक्तसिद्धिना

१५०॥ धनसिन्धुलसंभुल
युजा ॥ कर्तन ॥ उन्नतलो
वर्जवाजाहीः सर्ववापय
मावनी ॥ मानविध्वंसनी
वीः वृद्धल्लुलदायनी ॥
धनभायलिकोय ॥ धूपजा
यः नलुत्तमस्यमद्युक्त
मद्युक्तसिद्धिना यस्म
मद्युक्तसिद्धिना यस्म
मद्युक्तसिद्धिना यस्म
यस्म नलुत्तमस्यमद्युक्त
वसन्ति सर्वद्वानां वरु
कुत्तमार्थं कः दिनास
सिद्धिर्लक्ष्मीर्लक्ष्मी
धर्मा कर्तव्यं ह्यद्वितीयं
वसन्ति सर्वद्वानां वरु
कुत्तमार्थं कः दिनास
सिद्धिर्लक्ष्मीर्लक्ष्मी
धर्मा कर्तव्यं ह्यद्वितीयं
॥ १ ॥ यदि कुरुद्वानां
यद्गच्छति द्विविधवत्युक्तसिद्धिना

वासिधूलवर्णः कालास्या
 दक्षिणतः काष्मस्यावा
 नतश्चापि ४ वक्रद्वयस
 मवितः समुत्पन्नमाथ
 नमहासुखकलेभमका
 ० तलोके माहनी ददीः
 ओत्मीनं सवनोचलीञ्जा
 कवन ॥ श्रीम ० श्री श्री व
 र्जवागही लठाने कायवा
 प्राचमाद्यपती रु. स्याहा ॥
 ॐ ॐ ॐ सर्ववृद्धजकिमी
 यवजवल्नीयवजवेत्री
 चलियाहंरुहस्याहा ॥ म
 ध ॥ ॐ ववजवागहीर्य
 स्याहा ॥ हायायामनीय
 स्याहा ॥ डिमाभाहनीय
 स्याहा ॥ हंही सवालनी
 यस्याहा ॥ हंसकालिनिय
 स्याहा ॥ रुट २ वलुकाय
 हुरुहस्याहा ॥ ॐ अशु ॐ
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

अंजसाहा ॥ ॐ कस गद्यह
 चरुजह ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 दधनयदवल्मयनल
 वसवण हकु स्याहा ॥ ॐ
 जनेन्द्राय वजवृषायति
 रु. स्याहा ॥ ॐ धर्मवकायस्या
 हा ॥ मंलगच कायस्याहा ॥
 निम्मीनच कायस्याहा ॥
 महासुखच कायस्याहा ॥
 श्रीहठवी थयस्याहा ॥ ॐ
 दियानविथयस्याहा ॥ पूरु
 जीलीयिथयस्याहा ॥ जानध
 लीयिथयस्याहा ॥ ॐ नम
 सर्वतथगतसूनललि
 तविलासिनिमित्तनमा
 मिष्टीवजवागहीलठान
 कायजहं वहायति रु. क
 शुभांजलिनाथहा ॥ पूजा
 मति ॥ ॐ नम ० श्री वजवा
 गही ॥ नकवध्वंस कासः
 नारिमधवावेकिता ॥

स्वप्ना गोपिता दवीः न
सामिहान नूयिनी ॥ ॥
क्षेत्रमलु लयि न ॥ यतु
सन नय क ॥ ह्या उज जका
स्मिन अयः य उम विरुय
वा अय ॥ ने व द अय ॥
कमु निधूयः क पून मता ॥
मन विरय ॥ गो प्रयाय ॥ मारा
यक ॥ उ नम ४ श्री वज्र जी
जी जी ३ ॥ न वं काल स
मा सिनः सह जान पुल
पिनीः पुष्टा स्मिन द हो ६
जमः नम स्त वज्र जी जी जी
॥ १ ॥ विरिग दिपु मा
द लः वरु ला न उ द
द दः ली ग पा ल मि ग
प्रा फ ॥ नम स्त वज्र जी
जी जी ॥ २ ॥ सल पुल्लु
सं का जंः लु व्वा वज्र जी
ग ज ७ ॥ वल्लु व विज स
ते न ॥ नम स्त वज्र जी जी

नी ॥ ३ ॥ ल ग ला ग म या
म जंः स क न उ य व जी तः
मा हा उ र व उ र वा जी ली ॥
नम स्त वज्र जी जी जी ॥ ४
॥ ल वा ल न द य कि तः
अ द न म ल व जि तः स्व
रु ग रू वि नी मू क ॥ नम
स्त वज्र जी जी जी ॥ ५ ॥ मया
थ क ल सं र कं २ जा न म स्त
ज नू पि नीः क ल ना व कं
द ह स्त ॥ नम स्त वज्र जी जी
ली ॥ ६ ॥ ल व नि म्मा नम
ल वः ल व का ल वि ला
जि तः का य वा क सि क द
ह स्त ॥ नम स्त वज्र जी जी
ली ॥ ७ ॥ वा म्म क वा ल व
ली गः द क्षि ल क क्षि क
लि नीः स न्य ता क ल ना
वा कं ॥ नम स्त वज्र जी जी
ली ॥ ८ ॥ डि रु द द न वि
ल वः स व मी ली नि गु ड

नीः निष्ठिता हा स्व को ह्य
॥ नमस्तु वज्रया जिनी
॥ ९० ॥ केला के नाय हं इ
कोः सम अनासु व वा मि
नः वृद्ध नासु के लई मे
को ॥ नमस्तु वज्रया जिनी
॥ ९० ॥ स वा हं स पु व न
नः निमित्त न के नू पिनी
ः स्याम पि ता ल ना लो उ
॥ नमस्तु वज्रया जिनी ॥
११ ॥ य अ वृद्ध कु ला य वा
ः पु अ जी नी ना य नः
तथा य ल मा नू सं का तं ॥
नमस्तु वज्रया जिनी ॥ १२
शिव स कि ति ति थो गः
ति थ्य चं ति ति क ल्यु तः
य दा थ द द न्नि थो कं
॥ नमस्तु ॥ १३ ॥ कु ला य
वृजि को का तः ओ मा मा
वै वृ वी अ नः वि स ल
प क्रि या का ना नमस्तु

१५ ॥ स अ म वि ज यि
मा ता ला ज ल क्रि द द्वा ति
यः मा हा मा या ल ग य नि
॥ नमस्तु ॥ १७ ॥ स थ दि
वि वि थ्य अ नः ग क न
का वि धाय नीः ग ग ले क
व लि था ता ॥ नमस्तु ॥ १८
स्याम पि ता दि नी मु काः
व न्म व नू वि व क न पु ल
वाल मि ता मा ता नमस्तु
॥ १९ ॥ नि ष वि क ल्य नि ला
ल थः नि थ्य पु अ नि ता
नयः वि य वा पि नी न ला
मा ॥ नमस्तु ॥ १७ ॥ स थ
म थ दि द्वा धा ता उ न नि
स वृ जी जि नी नमस्तु
व ज वा ना दि ॥ नमस्तु ॥
१५ ॥ यी ग त ग नू मू र वा
हो थः नि ग ता ल न ल
पि नी स मा ल न वि ना
सा य ॥ नमस्तु व ज या

जिन्नी॥ २०॥ ०० तिगु
 लशकामाता तुति विधा
 यकल्यः जदलुपा फना
 तुमुपु नः लुने सलवा
 फुते॥ २१॥ ०० तिनाग
 इनवा दविलोयि तुमल
 सावसमाक॥ ॥ सधति
 मूलत्यादि॥ दाना॥ ०॥

जव १ मुकलस
 जव २ शिवसगति
 जव १ नागावजवा
 जव २ भिवस्ती
 जव २ जजुज रुनि
 पा १२ निशत्रापा
 जव ४ कपहावा
 जव १ रुप
 जव १ जनावाक
 जव २ जवप
 जव १ गारु
 जव १ तत्रिपनिरुहक

जव १ रागीन
 पा १ विदि सत्रा
 जव १ त्रिविकिवाता
 जव १ साज
 जव ४ जवाया
 म १ दाहया
 पा १ कापत्रा
 पा २ एपेगुनिरुता
 जव २ दुदुषात्राकेश
 जव २ लुपल्लेजदपल
 जव २ पयल्लेन
 पू १ त्रुषाया
 पू १ जहवाया
 रुकि १ लरुकि
 कोपूतका
 कुशा
 पू २ कोषिप
 कोषवाभाका

भा १ विष्ठा
दुर्लभा का

ॐ १ मूकतश
ॐ २ सिद्धसुगति
ॐ १ लाश्रवण
ॐ २ शिवसुगति
ॐ २ शिवलक्ष्मी
ॐ २ नक्षत्रक्षान्ति
ॐ ४ कृपामेचा
पा १२ निसलापा
ॐ १ भप
ॐ १ जलनायक
ॐ ३२ उवपमाका
ॐ ६ ताहाफचा
ॐ १ तारिचापनिसहक
ॐ १ जाग
पा १ विहिसला
ॐ १ रिचोकिवाता
ॐ १ साग
ॐ ४ गदवाचा
ॐ १ दोहचा
पा १ कावर
ॐ २ बाधाकिधा
पा ४ रिविचर

शक्र २ पाजा

पा २ केतनिसला
ॐ २ दुर्लभाकासुय
ॐ ६ दुर्लभाकासुय
जा ६ पचतन
पू १ लुषाचा
पू १ ब्रह्मेषाचा
पा २ लुभंगु
पा ४ ब्रह्मंगु
च १ लुचकि
कोपुटका
कसा शि
पू २ केविप
कोविपमाके
कसु
सप
पू ४ योकिबाकि
पा ४ सकभा
कू १ भल
पू १ तुकि
पू २ दोल
थापकिपू
भासपविवाप
पा १ पस

रगग।गगगविलाकिरुगडावाड
रसमाधिरुनमः स्वाहा॥मवीन॥
उंसपशसकनवतीययूसीरुनः
दाहो॥उधमधमेताड
निं कनूस्वाहा॥वदुगु
धूदो॥उमः वडा लोक
ः वड कंध मलाय॥स्व
गाम्प गायस्वाहा॥व
कायस्वाहा॥वपकप
कसम॥उसवेनल।ल
उवड विययस्वाहा॥

यमूमकस्यामनिरुनईx॥विद्या॥
उमः वडवासईस्वाहा॥वरु॥
x॥उहा॥उवड धीस्वाहा॥
दहः सव विद्यायुम
वि॥उवड धीस्वाहा॥
कीस्वाहा॥दीप॥उम
हा॥उस॥उवड
गुमन॥उवड सुपृष्ठ
उवड सिकनारयस्वाहा॥
कायस्वाहा॥मनवीसा
समस्क॥

उम

उम

मम

मम

2705 I

POLYMER WOOD